दी गई कहानी में रिक्त स्थानों की पूर्ति निम्न शब्दों से करें ---
की , के द्वारा, में , ने, को , से , पर

जंगल के एक बड़े वट-वृक्ष की खोल में बहुत से बगुले रहते थे । उसी वृक्ष ---- जड़ में एक साँप भी रहता था । वह बगुलों के छोटे-छोटे बच्चों को खा जाता था ।

एक बगुला साँप .....बार-बार बच्चों के खाये जाने पर बहुत दुःखी और विरक्त सा होकर नदी के किनारे आ बैठा । उसकी आँखों .....आँसू भरे हुए थे । उसे इस प्रकार दुःखमग्न देखकर एक केकड़े .....पानी से निकल कर उसे कहा :-"मामा ! क्या बात है, आज रो क्यों रहे हो ?"

बगुले ने कहा - "भैया ! बात यह है कि मेरे बच्चों ----- साँप बार-बार खा जाता है । कुछ उपाय नहीं सूझता, किस प्रकार साँप का नाश किया जाय । तुम्हीं कोई उपाय बताओ ।"

केकड़े ने मन में सोचा, 'यह बगुला मेरा जन्मवैरी है, इसे ऐसा उपाय बताऊंगा, जिससे साँप के नाश के साथ-साथ इसका भी नाश हो जाय ।' यह सोचकर वह बोला -

"मामा ! एक काम करो, मांस के कुछ टुकडे लेकर नेवले के बिल के सामने डाल दो । इसके बाद बहुत .....टुकड़े उस बिल से शुरु करके साँप के बिल तक बखेर दो । नेवला उन टुकड़ों को खाता-खाता साँप के बिल तक आ जायगा और वहाँ साँप को भी देखकर उसे मार डालेगा ।"

बगुले ने ऐसा ही किया । नेवले ने साँप को तो खा लिया किन्तु साँप के बाद उस वृक्ष .....रहने वाले बगुलों को भी खा डाला ।

बगुले ने उपाय तो सोचा, किन्तु उसके अन्य दुष्परिणाम नहीं सोचे । अपनी मूर्खता का फल उसे मिल गया ।

सीख : करने से पहले सोचो